BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष षष्ठी मंगलवार विक्रम संवत् 2079। 05 जुलाई 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग कमेटी ने दी मंजूरी, जल्द ही केंद्र के पास भेजा जाएगा प्रस्ताव

बिहार में 10 स्टेट हाईवे का निर्माण होगा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्य में 10 नए स्टेट हाईवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। एशियन विकास बैंक (एडीबी) के सहयोग से बनने वाली इन सड़कों की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विकास आयुक्त की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी ने सभी 10 एसएच के बनने पर मुहर लगा दी है। आजकल में इसका प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा। इसके बाद एडीबी से कर्ज लेकर सड़कों का निर्माण शुरू होगा। इन सड़कों के बनने से 13 जिलों के लोगों को सीधा लाभ होगा।

सभी एसएच का निर्माण बिहार राज्य पथ विकास निगम के माध्यम से होगा। निगम अधिकारियों के अनुसार विकास आयुक्त की सहमति मिलने के बाद अब वित्त विभाग इसका प्रस्ताव केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन कार्यरत आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) को भेजेगा। वहां इन प्रस्तावों पर मंथन होगा। डीईए से मंजूरी मिलने के बाद बिहार को सड़क बनाने के लिए एडीबी से कर्ज मिल सकेगा। पथ निर्माण विभाग ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में 10 स्टेट हाईवे व एक पुल बनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत सुपौल में गणपतगंज से परवा 53 किमी लंबे एसएच का निर्माण होगा। छपरा व सीवान से होकर गुजरने वाली मांझी-दरौली गुठनी सड़क का निर्माण होगा, जिसकी लंबाई 71.6 किमी है। इसी तरह बक्सर में ब्रह्मपुर-कुरानसराय-इटाढ़ी-सरंजा-जालीपुर सड़क बनेगी। इसकी लंबाई 81 किमी है। नवादा व गया से होकर गुजरने वाली वनगंगा-जेठियनगहलोर-भिंडस स्टेट हाईवे बनेगा। इसकी लंबाई 41.6 किमी होगी। भोजपुर में 32.3 किमी लंबी आरा-एकौना-खैरा सहार सड़क बनेगी।

जाम की समस्या से मिलेगी निजात

इन जिलों को लाभ

सुपौल, छपरा, सीवान, बक्सर, नवादा, गया, भोजपुर, मधुबनी, सीतामढ़ी, बांका, भागलपुर, मुजफ्फरपुर व दरभंगा

500 किमी लंबे एसएच के लिए एडीबी से लिया जाएगा लोन | **13** जिलों को सीधे लाभ होगा स्टेट हाईवे बनने से

समी सड़कें अभी 10 मीटर से भी कम चौड़ी हैं

बनने वाली 10 एसएच में अभी तीन पहले से हैं, जबकि सात सड़कें मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड (एमडीआर) हैं। लेकिन सभी सड़कें 10 मीटर से कम चौड़ी हैं। एडीबी की मदद से इन सभी सड़कों को कम से कम 10 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। विभाग ने इन सड़कों की उपयोगिता के मद्देनजर संबंधित इलाकों का सर्वे कराया था। सड़कों के चौड़ा होने से इन शहरों में लगने वाले जाम की समस्या से निजात मिलेगी और लोग कम समय में एक से दूसरे स्थान आ-जा सकेंगे।

सीतामढ़ी-पुपरी-बेनीपट्टी सड़क भी एसएच बनेगी 51.35 किमी होगी लंबाई

वहीं, मधुबनी में मधुबनी-राजनगर-बाबूबरही-खुटौना एसएच बनेगा, जिसकी लंबाई 41.1 किमी होगी। सीतामढ़ी व मधुबनी से होकर गुजरने वाली सीतामढ़ी-पुपरी-बेनीपट्टी सड़क भी एसएच बनेगी। इसकी लंबाई 51.35 किमी होगी। बांका और भागलपुर से होकर गुजरने वाली 58 किमी धोरैया-इंग्लिश मोड़-असरगंज एसएच का निर्माण किया जाएगा। अतखेल से जाले तक 45 किलोमीटर एसएच का निर्माण होगा। इन सड़कों के अलावा मुजफ्फरपुर में हथौड़ी-आथर-बभनगामा-औराई पथ में आथर-बभनगांवा के बीच बागमती नदी पर उच्चस्तरीय पुल व पहुंच पथ बनेगा।

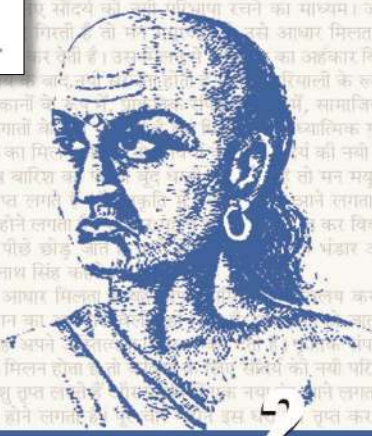

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 05.07.2022 | पृष्ठ सं० 02

कीर्तिमान • 200 इंजीनियरों और कर्मियों ने 8-8 घंटे की शिफ्ट में किया काम

मंत्री बोले- 98 घंटे में 38 किमी सिंगल लेन की सड़क बनाई... यह वर्ल्ड रिकॉर्ड

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

बिहार भी देश के पश्चिम और दक्षिण के राज्यों की तरह इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में वर्क कल्चर का नया कीर्तिमान गढ़ने लगा है। एनएचएआई ने सूबे के भोजपुर-रोहतास जिले से गुजरने वाले नेशनल हाइवे-30 के निर्माण में नवीनतम तकनीक, माइक्रो प्लानिंग और वेल कॉर्डिनेशन का ऐसा संगम पेश किया है कि मात्र 98 घंटे में निर्माण एजेंसी अशोका बिल्डकॉन ने 38 किलोमीटर सिंगल लेन हाइवे बना डाला। 19 जून से 24 जून के बीच लगातार 98.50 घंटे तीन शिफ्ट में काम करने की रणनीति के तहत निर्माण कार्य चला और परिया-मोहनिया एलाइनमेंट में कोचस से मोहनिया बायपास 37.74 किलोमीटर सिंगल लेन सड़क बना दी गई। पथ निर्माण मंत्री ने कहा-यह काम इतने कम समय में करने से वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है। इन अनवरत 98 घंटे के काम में 10 इंजीनियर मैनेजर, 15 सुपरवाईजर और सामान सप्लायर, 15 क्वालिटी कंट्रोल टीम, 24 लेबर और 136 ऑपरेटर और ड्राईवरों की कड़ी मेहनत रंग लायी। मशीनों की बात करें तो बड़े-बड़े 2 हॉट मिक्स प्लांट, 4 सेंसर पेवर, 6 रॉलर, 50 टीपर, 8 ट्रैक्टर-ट्रेलर समेत अन्य कई तरह की मशीनों का बिना किसी बाधा के प्रयोग किया गया। अशोका बिल्डकॉन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और एनएचएआई के डीजीएम ने बताया कि 1200 टन अलकतरा और 400 टन फर्नेश ऑयल मंगाने के लिए माइक्रो प्लानिंग करते हुए हल्दिया और भोपाल स्थित डिपो से पहले ही एडवांस बात की गई। फूल स्विंग में काम कराने के लिये एजेंसी के सीईओ और सीओओ कार्य स्थल पूरे काम के दौरान मौजूद रहे।

माईक्रो प्लानिंग, वेल कोऑर्डिनेशन और रिकार्ड की जिद...

माइलस्टोन बन गया

अब बिहार भी इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में माइल स्टोन गढ़ने लगा है। भारतमाला के तहत कोचस से मोहनिया तक 98 घंटे में 38 किमी सड़क बना कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया गया है।

-नितिन नवीन, पथ निर्माण मंत्री, बिहार

सबके सहयोग से हुआ यह काम पूरा

सड़क निर्माण की पूरी तैयारी करने के बाद ही निर्माण शुरु किया गया। प्रशासनिक सपोर्ट के कारण 98 घंटे के काम में किसी तरह की बाधा नहीं आयी और रिकार्ड बनाने की जिद् ने काम पूरा करा दिया। इसका श्रेय केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, एनएचएआई और निर्माण एजेंसी के बेहतर कॉर्डिनेशन को भी दिया जा सकता है। किसी एक तरह भी फुल सपोर्ट नहीं मिलता तो ये काम संभव नहीं था।

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट • कई जगह पुल व ओवरब्रिज का काम जारी है, डायवर्जन के सहारे जा रही गाड़ियां

राकेश/ अरुण | *रोहतास के कोचस से कैमूर के मोहनिया तक 38 किलोमीटर सड़क का निर्माण कर रिकॉर्ड बनने के बाद सोमवार को दैनिक भास्कर ने इसकी ग्राउंड रिपोर्टिंग की तो पता चला कि कई जगह पुल-पुलिये व ओवरब्रिज का काम अधूरा था। ऐसी जगहों पर डायवर्जन से गाड़ियां जा रही थी।*

1. मोहनिया के पटना मोड़ से 200 मीटर पर स्थित रेल ऊपरी पुल पर एक लेन चालू की स्थिति में थी जबकि दूसरा लेन निर्माणाधीन था। मोहनिया आरा नेशनल हाईवे सड़क के रेल ऊपरी पुल से आगे पसपीपरा, रामपुर व कटराकला के समीप ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा था। यहां डायवर्सन के सहारे वाहन गुजर रहे थे। मोहनिया के मामादेव, भेभिया, संजीवनी हॉस्पिटल के समीप बाजार समिति बाईपास रोड के समीप, शुकुल पिपरा गांव के समीप पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा था। यहां पर एक लेन पूरी तरह से कंप्लीट हो गया है।

2. रोहतास के कोचस से परसथुआ तक में दो बड़ी नदियों के धर्मावती व गोरैया के पुल का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है, सिर्फ स्ट्रक्चर खड़े किए गए हैं। जबकि कोचस में धर्मावती नदी का पिछले 6 वर्षों से पुल क्षतिग्रस्त है जिसके कारण डायवर्सन के सहारे वाहनों का आवागमन बहाल है। कोचस से परसथुआ के उक्त सड़क मार्ग में 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित लहेरी नहर समेत लगभग एक दर्जन छोटे पुल पुलिया का निर्माण अभी भी बाकी है। यहां भी पहले से बनी पुलिया के सहारे ही वाहनों का आवागमन जारी है।

बिहार-बंगाल के बीच 17 मार्गों पर चलेंगी बसें

- परिवहन विभाग ने बस संचालकों से इन रुटों के लिए मांगा था आवेदन
- वजीरगंज से कोलकाता वाया हजारीबाग, आसनसोल, दुर्गापुर व वर्धमान के बीच बस चलेगी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार-पश्चिम बंगाल के बीच 17 रूटों पर बसों का परिचालन होगा। परिवहन विभाग ने बस संचालकों से इन रूटों के लिए आवेदन मांगा था। उसी आलोक में बस मालिकों ने विभाग को अपना-अपना आवेदन दिया है। विभागीय प्रक्रिया को पूरा करते हुए इन बस मालिकों को तय रूटों पर बस चलाने की अनुमति दी जाएगी।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार वजीरगंज से कोलकाता वाया हजारीबाग, आसनसोल, दुर्गापुर व वर्धमान के बीच बस का संचालन होगा। मोतिहारी से सिलीगुड़ी वाया दरभंगा व प्रतापगंज, राजगीर से कोलकाता वाया हजारीबाग, धनबाद, दुर्गापुर व वर्धमान, बांका से सिलीगुड़ी वाया पूर्णिया व दालकोला, मरहर से कोलकाता वाया धनबाद, आसनसोल व वर्धमान के बीच बस चलेगी। खेसर से कोलकाता वाया कटोरिया, देवघर, दुमका, सुरी व वर्धमान, पटना से सिलीगुड़ी वाया बख्तियारपुर व पूर्णिया, सहरसा से सिलीगुड़ी वाया पूर्णिया व दालकोला, भागलपुर से सिउरी वाया दुमका, मोतिहारी से सिलीगुड़ी वाया मुजफ्फरपुर व पूर्णिया, राजगीर से सिलीगुड़ी वाया बिहारशरीफ, बख्तियारपुर व पूर्णिया, पूर्णिया से रायगंज वाया दालकोला के बीच बस चलेगी। वहीं, भभुआ से अंबिकापुर वाया सासाराम, औरंगाबाद, डालटेनगंज व रामानुजगंज, डेहरी ऑन सोन से जसपुर वाया औरंगाबाद, डालटेनगंज, कुरू, लोहरदगा व गुमला, सासाराम से कोरबा वाया डेहरी, औरंगाबाद, डालटेनगंज, गढ़वा, रामानुजगंज व अंबिकापुर के बीच बस चलेगी। इन रूटों के बीच बस चलने से लोगों को सुविधा होगी।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 05.07.2022 | पृष्ठ सं० 02

बिहार की झीलों के पास ईको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

- गाइड बंधु आईडी कार्ड लगाकर ही पर्यटन स्थल पर रहें
- शहर के होटल में पर्यटकीय विकास को लेकर हुआ सेमिनार

पटना। पर्यटन मंत्री नारायण प्रसाद ने कहा है कि बिहार मे कई झील हैं, जहां ईको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजगीर, बोधगया, वैशाली, केसरिया, नंदनगढ़, बांका का ओढ़नी झील के अलावा बांका का मंदार पर्वत, वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व, बेतिया राज का किला सहित कई पर्यटकीय स्थल हैं। इन स्थलों पर पर्यटक मनोरम दृश्य का आनंद उठा सकते हैं।

सोमवार को शहर के एक होटल में पर्यटकीय विकास को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि पटना के तीन स्थानों बांकीपुर बस स्टैंड, होटल पाटलिपुत्र अशोका व परिवहन भवन परिसर में पांच सितारा होटल बनाने की स्वीकृति सरकार ने दी है। राजगीर व मंदार पर्वत पर रोपवे की सुविधा मिल रही है। दो स्थान-ब्रहायोगी एवं डुगेश्वरी पर्वत पर रोपवे की स्वीकृति दी गई है। विश्व का दूसरा ग्लास ब्रिज राजगीर में है। पर्यटकों की सुख-सुविधाओं के लिए सुसज्जित होटल, लजिज व्यंजन/भोजन के साथ गाइड तथा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध हैं।

एनएच पर दिखेगा पर्यटन विभाग का ढाबा व होटल : मंत्री ने कहा कि बिहार के एनएच पर पर्यटन विभाग का ढाबा/होटल दिखाई पड़ेगा। इसके लिए सरकार योजना लाई है। बहुत जल्द इसका स्वरूप दिखाई देगा। यूपी और बिहार के पर्यटन स्थल को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि बिहार के पर्यटन स्थलों के संबंध में समुचित जानकारी प्राप्त कर बिहार आने वाले पर्यटकों से विनम्रतापूर्वक व्यवहार करें।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 05.07.2022 | पृष्ठ सं० 02

देश के दस संस्थानों को मिली है पीजीडीएम-आईईवी कोर्स की मान्यता

सीआईएमपी में नवाचार की पढ़ाई इसी साल से

पटना, मुख्य संवाददाता। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में इस वर्ष से नवाचार, उद्यमिता और उद्यम विकास के क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़ा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू हो रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने बताया कि पीजीडीएम-आईईवी कोर्स शुरू करने वाला सीआईएमपी राज्य का इकलौता संस्थान है। उन्होंने बताया कि इस साल देश के 10 चुनिंदा संस्थानों को इस कोर्स को संचालित करने का मौका मिला है।

पिछले दिनों एआईसीटीई के अधिकारियों ने कैंपस का निरीक्षण कर पाया कि सीआईएमपी इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिये जरूरी शर्तों को संपुष्ट करता है। बकौल निदेशक, पीजीडीएम-आईईवी कोर्स की खासियत यह है कि इसकी पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रतिभागियों को कर्मचारी बनने के बजाय स्वरोजगार सृजन की राह सुनिश्चित होगी। इस साल तीस सीटों पर दाखिला लिया जाएगा। आवेदन की जानकारी के आवेदक सीआईएमपी की वेबसाइट www.cimp.ac.in पर देख सकते हैं।

■ एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित है नवाचार, उद्यमिता व उद्यम विकास का यह कोर्स

25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने दी मंजूरी

संस्थान परिसर में सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में निदेशक ने बताया कि वर्तमान में इस पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए सीआईएमपी के साथ-साथ पूरे भारत में केवल 25 बिजनेस स्कूलों को एआईसीटीई ने मंजूरी दी है। बिहार में केवल एक बिजनेस स्कूल सीआईएमपी को यह सुनहरा मौका मिला है। इस प्रोग्राम के माध्यम से उद्यम विकास सुनिश्चित होगा, जिसमें संस्थान स्टूडेंट को विचार निर्माण, पूर्व-ऊष्मायन सुविधा (प्री-इन्क्यूबेशन), अवधारणा के प्रमाण (पीओसी) परीक्षण, ऊष्मायन समर्थन (इन्क्यूबेशन सपोर्ट), प्रोटोटाइप विकास, परीक्षण और व्यवसायीकरण के संदर्भ में समर्थन करेगा। प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान के अधिकारियों में कुमोद कुमार और डॉ. राजीव वर्मा उपस्थित थे।संस्थान के द्वारा बताया गया कि इस प्रोग्राम के माध्यम से बाजार विकास और आईपीआर फाइलिंग के मामले में भी स्पोर्ट देगा। पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम सीआईएमपी द्वारा सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (सीआईएमपी-बीआईआईएफ) के साथ साझेदारी में संचालित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम को चलाने के लिए संस्थान के पास कार्यात्मक ऊष्मायन केंद्र (फंक्शनल इन्क्यूबेशन सेंटर) होना एक पूर्वापेक्षा शर्त है।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 05.07.2022 | पृष्ठ सं० 7

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	1169
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	162
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	86
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,70,54,785
⇒ कम से कम एक डोस	7,13,84,431
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,20,32,863

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर
दक्षिण कोरिया
जापान
हॉंग कॉंग
यू.ए.ई.
सिंगापुर
बहरीन
न्यूजीलैंड
कनाडा
यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया
सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई
हैदराबाद
पुणे
चेन्नई
नागपुर
गुजरात
कोलकाता
वाराणसी
गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.